नईदुनिया इंदौर, मध्य प्रदेश

04 September 2022

सम्मान समारोह द्वारकापुरी में दस्तूर गार्डन के सामने **सुबह 10 बजे।**

- सनाढ्य सभा के तत्वावधान में सात दिनी भागवत कथा जूनी इंदौर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर पर **दोपहर 1.30 बजे।**
- श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ राधाकृष्ण मंदिर मोती बाबा की कुइया क्लर्क कालोनी में **दोपहर 2 बजे से।**
- गणेश पुराण कथा खजराना गणेश मंदिर के कंचन हाल में **दोपहर 3 बजे।**
- चित्रकला प्रदर्शनी देवलालीकर कला विथिका एमजी रोड पर **शाम 5.30 बजे।**
- अग्रसेन [illegible] **शाम 6 बजे।**

हमें दें कार्यक्रमों की सूचना

धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक आदि आयोजनों से जुड़ी जानकारी हमें नंबर 94250-74124 पर वाट्सएप करें।

कालेजों में लाइब्रेरी को आनलाइन करने के लिए विशेष साफ्टवेयर 'ग्रंथालय' तैयार

- दो दिनों के भीतर कालेजों को साफ्टवेयर खरीदी के बारे में होगा बताना
- उच्च शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश, इंदौर के छह कालेजों को होगा फायदा

आनलाइन जर्नल्स पढ़ सकेंगे विद्यार्थी

लाइब्रेरी को अपग्रेड करने के अलावा विद्यार्थियों को आनलाइन जर्नल्स पढ़ने को मिल सकेगा। यहां तक कई किताबों के आनलाइन संस्करण भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही कालेज को किताबों का रिकार्ड रखने में भी आसानी होगी।

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश सरकार एक ओर जहां सरकारी कालेजों के विस्तार में लगी है। वहीं वर्ल्ड बैंक से कई परियोजनाएं चलाई जा रही है। इन दिनों प्रदेशभर के सरकारी कालेजों की लाइब्रेरी को अपग्रेड किया जा रहा है। बकायदा लाइब्रेरी में इस्तेमाल करने के लिए विशेष साफ्टवेयर बनाया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को किताबें जारी की जाएगी, जबकि कई कालेजों में ग्रंथपाल नहीं है। बरसों से कालेजों में पद खाली पड़े हैं। इन्हें भरने के लिए शासन कई बार प्रयास कर चुका है। मजबूरन कालेजों को अस्थायी हल निकालना पड़ता है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने कालेज से दो दिन के भीतर साफ्टवेयर का खरीदने के बारे में पूछा है। वहीं ग्रंथपाल यानी लाइब्रेरियन नहीं होने की स्थिति में अन्य शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा।

दरअसल एनआइसी ने लाइब्रेरी के लिए ग्रंथालय नाम से साफ्टवेयर बनाया है, जो सरकारी कालेजों की लाइब्रेरी में लगाना अनिवार्य किया है। पहले चरण में 527 कालेजों को चुना है, जिसमें इंदौर जिले के सात कालेज शामिल हैं। होलकर साइंस कालेज, निर्भय सिंह पटेल न्यू साइंस कालेज, शासकीय विधि महाविद्यालय, ओल्ड जीडीसी, न्यू जीडीसी, जीएसीसी, सरकारी कालेज, राऊ, देपालपुर और सांवेर है। अधिकारियों के मुताबिक कालेजों को साफ्टवेयर का एक-एक लागिन आइडी दिया जाएगा। इसके लिए लाइब्रेरियन को नोडल अधिकारी बनाया ज़ाएगा। वैसे जिन कालेजों में लाइब्रेरियन नहीं है। वहां किसी अन्य शिक्षक को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। यह काम कालेज प्राचार्यों को दो दिन में पूरा करना है। साथ ही साफ्टवेयर की खरीद के बारे में भी बताना है। अधिकारियों का कहना है कि 30 प्रतिशत कालेजों में ग्रंथपाल के पद खाली है। इन कालेजों में जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी।

पश्चिम में मेहरबान रहे मेघ एयरपोर्ट पर 31.4 मिमी वर्षा